केन्द्रीय विद्यालय संगठन/Kendriya Vidyalay Sangathan,
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
(Ministry of Education, Govt. of India)
दिल्ली संभाग /DELHI REGION,
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय नया महरौली मार्ग,
JNU CAMPUS, NEW MEHRAULI ROAD,
नई दिल्ली /New Delhi-110067
दूरभाष सं. Tel. No. 011-26741256, 26711016
e-mail ID: dcrodelhi@gmail.com
website: rodelhi.kvs.gov.in

फ.स.19038/ उपा./दि.सं/शिक्षक दिवस/

दिनांक :04.09.2020

# संदेश

साथियो

सर्वप्रथम मैं शिक्षक दिवस के इस अवसर पर आपको बधाई देना चाहता हूँ | यह शिक्षक दिवस अपने आप मे एक अद्वितीय स्थिति में मनाया जा रहा हैं | एक तरफ जहाँ कोरोना महामारी के कारण विद्यालय लम्बे समय से बंद हैं वहीं देश में एक नई शिक्षा नीति - 2020 लागू की गयी है | कोरोना काल में हमारे शिक्षकों एवं विधार्थियों ने अद्भुत कौशल, संयम एवं जीवट का प्रदर्शन किया है | ऑन लाइन शिक्षा पद्धति के माध्यम से बच्चों तक पहुंचे हैं एवं तकनीक की शिक्षा एवं व्यवस्था उच्च स्तर की न होने के बावजूद हमारे शिक्षकों ने यूरोपीय एवं अमेरीकी मानदंडो के संगत प्रदर्शन किया हैं, इसके लिए आप सभी गुरुजनों एवं प्राचार्यो की जितनी भी प्रशंसा की जाय कम है |

नई शिक्षा नीति शिक्षा - 2020 जो कि 1986 के 34 साल बाद आयी हैं शिक्षा के हर आयाम को छुआ है एवं हर पहलू पर प्रकाश डाला है |

अध्यापकों के लिए यदि कहें तो इस शिक्षा नीति में कई आशा की किरणे हैं, एवं यह मानते हुए कि अध्यापक शिक्षा रूपी गाड़ी के पहिए हैं, शिक्षकों के उत्थान एवं शक्तिकरण के लिये व्यापक सुझाव दिए गये हैं | शिक्षकों की भर्ती के लिए जहाँ भारतीय शिक्षा सेवा जैसी प्रणाली की अनुशंसा की गयी है, उनकी कार्यगत व्यवस्था में भी अनेक सुधार

प्रस्तावित हैं जैसे अत्यधिक स्थानान्तरण पर रोक, ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करने के लिए प्रोत्साहन, गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्ति इत्यादि |

बच्चे के विकास में प्रत्येक को, वो चाहे अध्यापक हों, माता-पिता हो, प्राचार्य हों या समाज सभी को अपनी भूमिका पूर्ण ईमानदारी से निभानी चाहिए | कहावत हैं कि **"एक बच्चे को पालने में पूरा गाँव लगता हैं"**

मेरे अनुसार शिक्षक किसी शोमैन से कमतर नहीं होता | मैंने देखा है कि हर घर की डाइनिंग टेबल पर चर्चा के प्रमुख व्यक्तित्वों जैसे स्पोर्ट-स्टार, एक फिल्म स्टार के साथ शिक्षक भी शामिल होता हैं |

कितने ही महापुरुषों के जीवन वो नहीं होते जो वो थे यदि उन्हें उत्कृष्ट अध्यापक न मिले होते | दुनिया के ज्यादातर सफल लोग अपनी सफलता का श्रेय ईश्वर, माता-पिता एवं शिक्षक को देते हैं |

शिक्षक दिवस के इस अवसर पर आपको शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए मुझे अत्यन्त गौरव का अनुभव हो रहा है | किसी व्यक्ति के जीवन से उसके शिक्षक का प्रभाव मिटाया नहीं जा सकता |

अंत में मैं यही कहूँगा कि **"चलो कुछ ऐसा करते हैं" कि हमारा कल हमें याद रखे |**

**(नगेन्द्र गोयल)**
**उपायुक्त**